**प्रश्न**– **''प्लासी की घटना मीरजाफर एवं राय दुर्लभ जैसे व्यक्तियों के नैतिक क्षरण तथा विश्वासघात का परिणाम थी।'' उपरोक्त कथन से आप कितना सहमत है? चर्चा करें।**

**( 200 शब्द )**

## मॉडल उत्तर

**भूमिका :** प्लासी की घटना को संक्षिप्त में बतायें।

**मुख्य विषय वस्तु**

- 1756 ई. में अलीवर्दी खान की मृत्यु के बाद उसका नाती सिराजुद्दौला बंगाल का नवाब बना। उस समय सिराजुद्दौला अपने विरोधियों एवं षड्यंत्रकारियों से घिरा हुआ था। घसीटी बेगम, शौकत जंग, राजवल्लभ, जगत सेठ, अमीचंद एवं स्वयं सेनापति मीरजाफर जैसे लोग षड्यंत्र में शामिल थे।
- दस्तक नीति पर आक्रामक रूख अख्तियार करने पर कंपनी का व्यापारिक उद्देश्य गड़बड़ाने लगा और वे षड्यंत्र व कूटनीति में जूट गए, जिसमें सिराजुद्दौला के विरोधियों ने साथ दिया।
- अंग्रेज अपने व्यापारिक लूट की पूर्ति के लिए सिराजुद्दौला के स्थान पर एक कठपूतली नवाब चाहती थे ताकि इनके उद्देश्य में कोई अड़चन न आए।
- प्लासी के मैदान में मिली जीत को अंग्रेजों ने मैदान के बाहर पहले ही क्रय कर ली थी। ये उनकी सैन्य नहीं कूटनीतिक जीत थी। एक तयशुदा रकम का वादा और मीरजाफर को बंगाल का नवाब बनाना अहम् शर्तें थीं। 24 परगना की जागीर भी अंग्रेजों ने ली।
- बिना उत्कृष्ट सैन्य तैयारी के मात्र छल से इस युद्ध को जीता गया था। इससे अंग्रेजों के आत्मविश्वास को बल मिला व भावी जीत की रणनीति बनाने की प्रेरणा मिली।
- अंग्रेजों ने किसी विशेष सामरिक योग्यता तथा चातुर्य का प्रदर्शन नहीं किया। मीरजाफर व राय दुलर्भ जैसे व्यक्तियों द्वारा अपनी निष्ठा बेच देने का परिणाम था। यदि ये लोग राजभक्त रहते तो युद्ध का परिणाम भिन्न होता।

**अंत में संक्षिप्त व संतुलित निष्कर्ष दें।**